REVIEW OF RESEARCH
IMPACT FACTOR : 5.2331(UIF) UGC APPROVED JOURNAL NO. 48514 ISSN: 2249-894X
VOLUME - 7 | ISSUE - 9 | JUNE - 2018

आवासीय एवं अआवासीय विद्यालयों के शिक्षकों की अभिवृत्ति, अभिरूचि में होने वाले अवरोधों का तुलनात्मक अध्ययन

डॉ. एन्. ए. काज़ी
सहयोगी प्राध्यापक, राष्ट्रसंत तुकडोजी महाराज नागपुर विश्वविद्यालय के बॅरि. एस. के. वानखेडे शिक्षण महाविद्यालय, नागपुर.

प्रस्तावना :–

शैक्षिक अनुसंधान के क्षेत्र मे शिक्षा दर्शन, शिक्षा के उद्देश्यों का निर्धारण, इन उद्देश्यों की प्राप्ति लिए नियोजन, व्यवस्थापन, संचालन समायोजन, धन व्यवस्था, शिक्षक विधि, लीखना तथा उनको प्रभावित करने वाले तत्व, प्रशासन, पर्यवेक्षण, मापन, मुल्यांकन आदि सभी आते है। अतः प्रस्तुत शोध सीखने की नवीन विधियों सीखने को प्रभावित करने वाले विभिन्न तत्वों की तुलनात्मक महत्ता छात्रों तथा शिक्षकों के पारस्परिक सम्बन्ध, उनमें अन्तःक्रिया, पाठ्यक्रम पाठ्यपुस्तक, पाठ्यसहगामी क्रियाएँ सहायक शिक्षण सामग्री और उसका उपयोग आदि हेतु प्रस्तुत संशोधन महत्त्वपूर्ण है। प्रस्तुत अनुसंधान आवासीय एवं अआवासीय विद्यालयों के शिक्षकों की अभिवृत्ति, अभिरूचि में होने वाले अवरोधो तथा आवासीय एवं अआवासीय विद्यालय के शिक्षकों की अभिवृत्ति, अभिरूचि में होने वाले अवरोधों के चिकित्सकीय परिमाण के परिपेक्ष्य में मौलिक प्रश्नों के उत्तर ज्ञात करने हेतु, मौलिक समस्याओं एवं स्थानीय समस्याओं के समाधान हेतु महत्त्वपूर्ण है।

प्रस्तुत संशोधन मे शोधकर्ता ने आवासीय एवं अआवासीय विद्यालयों के शिक्षकों की अभिवृत्ति, अभिरूचि मे होने वाले अवरोधों का तुलनात्मक अध्ययन को शोध विषय के रूप मे लिया गया है।

प्रस्तुत शोध में अभिवृत्ति, अभिरूचि के खण्ड

1) शिक्षा के प्रति अभिवृत्ति, अभिरूचि
2) पाठ्यक्रम के प्रति अभिवृत्ति, अभिरूचि .
3) विद्यालय अनुशासन के प्रति अभिरूचि, अभिवृत्ति.
4) विद्यार्थी, शिक्षक, निर्देशन कायक्रम, विद्यालय एवं शिक्षण सहायक सामग्री एवं समय तालिका के प्रति अभिवृत्ति, अभिरूचि.
5) विद्यालय प्रशासन तथा पर्यवेक्षण के प्रति अभिवृत्ति, अभिरूचि.
6) शिक्षण विधियों एवं तकनीक के प्रति अभिवृत्ति, अभिरूचि.
7) शिक्षा के विभिन्न विवादों, समस्याओं तथा प्रवृत्तियों के प्रति अभिवृत्ति, अभिरूचि शिक्षण व्यवसाय एवं शिक्षण कार्य के प्रति अभिवृत्ति, अभिरूचि मूल्यांकन के प्रति अभिवृत्ति, अभिरूचि.

संशोधन के उद्देश्य

1) प्रस्तुत संशोधन में शोधकर्ता का उद्देश्य आवासीय तथा अआवासीय विद्यालयों के शिक्षकों की अभिवृत्ति मे होनेवाले अवरोधों का तुलनात्मक अध्ययन करना है।

2) प्रस्तुत संशोधन मे शोधकर्ता का उद्देश्य आवासीय तथा अआवासीय विद्यालयों के शिक्षकों की अभिरूचि मे होनेवाले अवरोधों का तुलनात्मक अध्ययन करना है।

शोध की परिकल्पनाएँ

1) आवासीय तथा अआवासीय विद्यालयों के शिक्षकों की अभिवृत्ति में होनेवाले अवरोधों के असहसम्बन्धित प्रतिशतों में सार्थक अन्तर है।
2) आवासीय तथा अआवासीय विद्यालयों के शिक्षकों की अभिरूचि में होनेवाले अवरोधों के असहसम्बन्धित प्रतिशतों में सार्थक अन्तर है।

संशोधन की परिसीमाएँ

1) प्रस्तुत शोध मे शहरी एवं ग्रामीण आवासीय एवं अआवसीय विद्यालयों को ही लिया गया है।
2) प्रस्तुत शोध में शिक्षकों की अभिवृत्ति, अभिरूचि में होने वाले अवरोधों तक सीमित है।
3) प्रस्तुत संशोधन मे शोधकर्ता ने महाराष्ट्र के आवासीय विद्यालयों एवं अआवासीय विद्यालयों के शिक्षक, शिक्षिकाओं को ही सम्मिलित किया गया है।
4) प्रस्तुत संशोधन में शोधकर्ता ने महाराष्ट्र के आवासीय विद्यालय एवं अआवासीय विद्यालय के शिक्षक, शिक्षिकाओं एवं प्राचार्यो को ही सम्मिलित किया गया है।

अनुसन्धान पद्धती

प्रस्तुत अनुसंधान हेतू शोधकर्ता द्वारा सर्वेक्षण अनुसंधान पद्धती का उपयोग किया गया है।

प्रस्तुत अनुसंधान के उपकरण

प्रस्तुत शोध में उपकरण के रूप में शोधकर्ता ने सरलीकरण करते हूए शिक्षकों हेतू प्रश्नावली एवं प्राचार्यों हेतू साक्षात्कार का उपयोग किया गया है। जो कि शिक्षकों की अभिरूचि, अभिवृत्ति में होनेवाले अवरोधों एवं उनके चिकित्सकीय परिमाण पर आधारित है। जिसमे दो प्रतिशतों का सार्थक अंतर ज्ञात किया गया है।

प्रदत्तों का विश्लेषण एवं स्पष्टीकरण

प्रदत्तों का संकलन करने के पश्चात शोधकर्ता द्वारा प्रस्तुत शोधप्रबन्ध में उद्देश्यों के अनुसार जिसमे दो असहसंबन्धित प्रतिशतों में सार्थक अन्तर का सांख्यिकीय विश्लेषण करके स्पष्टीकरण दिया गया है।

उद्देश्य क्र. 1

आवासीय एवं अआवासीय विद्यालयों के शिक्षकों की अभिवृत्ति में होने वाले अवरोधों का तुलनात्मक अध्ययन.

प्रत्येक प्रश्न का विश्लेषण करने पर यह पाया गया है कि आवासीय एवं अआवासीय विद्यालयों के शिक्षकों की अभिवृत्ति ने होने वाले अवरोधों हेतु आवासीय विद्यालयों के शिक्षकों की सहमति का प्रतिशत अधिक है। आवासीय एवं अआवासीय विद्यालयों के शिक्षकों की सहमति के प्रतिशतों का मध्यमान क्रमशरू 91.13% एवं 80.46% है। अर्थात आवासीय विद्यालयों के शिक्षकों की अभिवृत्ति में होनेवाले अवरोधों हेतु शिक्षकों की सहमति का प्रतिशत अआवासीय विद्यालयों के शिक्षकों की अभिवृत्ति में होने वाले अवरोधों हेतु शिक्षकों की सहमति के प्रतिशत से अधिक पाया गया है।

उद्देश्य क्र. 2

आवासीय एवं अआवासीय विद्यालयों के शिक्षकों की अभिरूचि में होने वाले अवरोधों का तुलनात्मक अध्ययन

प्रत्येक प्रश्न का विश्लेषण करने पर यह पाया गया है कि आवासीय एवं अआवासीय विद्यालयों के शिक्षकों की अभिवृत्ति ने होने वाले अवरोधों हेतु आवासीय विद्यालयों के शिक्षकों की सहमति का प्रतिशत अधिक

है। आवासीय एवं अआवासीय विद्यालयों के शिक्षकों की सहमति के प्रतिशतों का मध्यमान क्रमशः 91.01% एवं 80.44% है। अर्थात आवासीय विद्यालयों के शिक्षकों की अभिवृत्ति में होनेवाले अवरोधों हेतु शिक्षकों की सहमति का प्रतिशत अआवासीय विद्यालयों के शिक्षकों की अभिवृत्ति में होने वाले अवरोधों हेतु शिक्षकों की सहमति के प्रतिशत से अधिक पाया गया है।

परिकल्पना परिक्षण

परिकल्पना 1

आवासीय एवं अआवासीय विद्यालयों के शिक्षकों की अभिवृत्ति मे होने वाले अवरोधों के असहसम्बन्धित प्रतिशतो मे सार्थक अन्तर है।

परिकल्पना 1 का परिक्षण करने के लिए शोधकर्ता द्वारा Standard Error of difference between two uncorrelated percentage or critical ratio or 't' test निकाला गया है जिसका मान 3.74 प्राप्त हूआ है। जो कि 0.05 एवं 0.01 दोनों ही स्तर पर सार्थक अन्तर की ओर इंगित करता है। अर्थात आवासीय एवं अआवासीय विद्यालयों के शिक्षकों की अभिवृत्ति में होने वाले अवरोधों में सार्थक अन्तर प्राप्त हुआ है। अतः प्रस्तुत परिकल्पना को स्वीकृत किया जाता है।

परिकल्पना 2

आवासीय एवं अआवासीय विद्यालयों के शिक्षकों की अभिरूचि में होने वाले अवरोधों में सार्थक अन्तर है।

शोधकर्ता द्वारा परिकल्पना 2 का परीक्षण करने हेतु Standard Error of differences between two uncorrelated percentages or critical ratio or 't' test ज्ञात किया गया है जिसका मान 3.70 प्राप्त हुआ है जो कि 0.05 एवं 0.01 दोनों ही स्तर पर सार्थक अन्तर की ओर इंगित करती है। अर्थात आवासीय एवं अआवासीय विद्यालयों के शिक्षकों की अभिरूचि में होने वाले अवरोधों में सार्थक अन्तर है। अतः प्रस्तुत परिकल्पना को स्वीकृत किया जाता है।

निष्कर्ष

1) आवासीय एवं अआवासीय विद्यालयों के शिक्षकों की अभिवृत्ति में होने वाले अवरोधों में सार्थक अन्तर प्राप्त हुआ है।
2) आवासीय एवं अआवासीय विद्यालयों के शिक्षकों की अभिरूचि में होने वाले अवरोधों में सार्थक अन्तर है।

उपसंहार

प्रस्तुत शोध में ज्ञात किये गये निष्कर्ष जनसंख्या एवं न्यादर्श पर आधारित है। लिया गया न्यादर्श संशोधन की दृष्टि से पूर्ण है। जबकि जनसंख्या की दृष्टि से मर्यादित है। अतः हम निष्कर्षों को सर्वव्यापी एवं अन्तिम नही मान सकते है। ठीक उसी प्रकार कोई भी संशोधन सर्वस्वी निर्दोष एवं परिपूर्ण नही मान सकते क्योंकि शिक्षा अनुसंधान निरन्तर चलने वाली प्रक्रिया है। प्रत्येक अनुसंधान हेतु विभिन्न न्यादर्श, विभिन्न संसाधनों का उपयोग करे निष्कर्षो की सत्यता को ज्ञात किया जाता है। प्रत्येक संशोधन हेतु अनुसंधान आवश्यक होता है।

संदर्भ ग्रंथ

- सिद्दीकी, डॉ. एम. एन. एवं यादव रामअवतार, (1995) ''प्रारंभिक स्तर पर विज्ञान शिक्षक'', आर्य बुक डिपो नई दिल्ली.
- माथुर, एस. एस. (1998) ''शिक्षा मनोविज्ञान'', विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा ।
- भटनागर, सुरेश, (1995), ''शिक्षा मनोविज्ञान'', लायल बुक डिपो, मेरठ.
- कपिल, एच. के (1984) ''मनोविज्ञान मे अनुसंधान विधिया'', तृतीय संस्करण हरप्रसाद भार्गव, आगरा.

- कपिल, एच. के. (1975), ''सांख्यिकी के मूल तत्व'', विनोद पुस्तक मंदिर आगरा.
- राय, पारसनाथ (2004), ''अनुसंधान परिचय'', लक्ष्मीनारायण अग्रवाल, आगरा.
- गेरेट हेनरी ई. एवं वूडवर्थ, आर. एस. (1981), ''शिक्षा मनोविज्ञान में सांख्यिकी'', लूधियाना पब्लिशर्स
- सिद्दू कुलबीर सिंह, (2004), ''मेथोडोलाजी आफ रिसर्च इन एज्यूकेशन'', स्टेरलिंग पब्लिशर्स प्रा. लि., नई दिल्ली.